मिशन कर्मयोगी: बिहार में अनिवार्य iGOT प्रशिक्षण एवं APAR संबद्धता

तकनीकी-सक्षम, भविष्य के लिए तैयार लोक सेवा का ब्लूप्रिंट

मुख्य सचिव, बिहार सरकार के
पत्रांक 18725 के आलोक में

SYSTEM ALERT: अनिवार्य iGOT प्रशिक्षण

52

घंटे का iGOT आधारित प्रशिक्षण प्रति वर्ष अनिवार्य



मुख्य सचिव की 01 अक्टूबर 2026 की समीक्षा बैठक के बाद, सरकार ने निरंतर क्षमता-विकास को कार्य-संस्कृति का अभिन्न अंग बनाने का निर्णय लिया है। सभी विभागों के सभी पदाधिकारियों/कर्मचारियों के लिए यह तत्काल प्रभाव से लागू है।

MODERN KARMAYOGI BLUEPRINT



यह सुनिश्चित करेगा कि क्षमता निर्माण एक निरंतर प्रक्रिया बने, न कि वर्ष के अंत में एक बोझ।

iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्फ की विशालता

कुल नामांकित कर्मयोगी
1,87,04,112

उपलब्ध पाठ्यक्रम
6,945

पाठ्यक्रम पूर्णता
17,83,43,587

मासिक सक्रिय उपयोगकर्तों
31,30,412

आप भारत के सबसे बड़े और उन्नत डिजिटल प्रशासनिक प्रशिक्षण नेटवर्क का हिस्सा बन रहे हैं।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम: AI टूल और वार्षिक लर्निंग कैलेंडर



कार्यान्वयन की रूपरेखा: भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

विभाग

- वार्षिक iGOT Learning Calendar तैयार करना।
- समन्वय हेतु विभागीय नोडल पदाधिकारी नामित करना।

नोडल पदाधिकारी

- प्रशिक्षण प्रगति का मासिक अनुश्रवण और रिपोर्टिंग।
- कर्मचारियों का मार्गदर्शन करना।

GAD / BIPARD

- आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना।
- समेकित अनुश्रवण और क्षमता-विकास सहयोग।

पदाधिकारी / कर्मचारी

- प्रति सप्ताह न्यूनतम 01 घंटे का प्रशिक्षण पूर्ण करना।
- निर्धारित समय-सीमा में 52 घंटे का लक्ष्य प्राप्त करना।

प्रशिक्षण से APAR तक की प्रक्रिया



बिहार

6-बिंदु मासिक अनुश्रवण डैशबोर्ड

प्रत्येक विभाग द्वारा मासिक स्तर पर इन बिंदुओं की प्रमुखता से समीक्षा की जाएगी:

कुल नामांकित पदाधिकारी/कर्मी

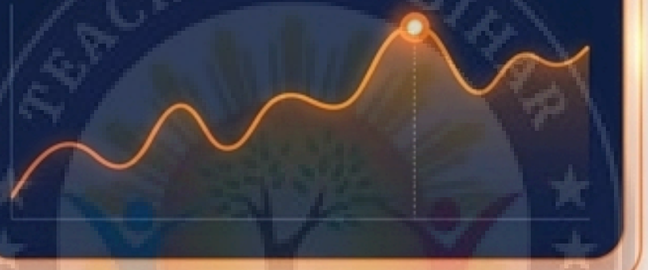
12,500

विभाग-वार संख्या: [ग्राफ]



iGOT पर सक्रिय कर्मी

गत माह की सक्रियता 8,200 (65.6%) ↗



52 घंटे के लक्ष्य के विरुद्ध प्राप्त उपलब्धि



73% पूर्ण

पूर्ण किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या

कूल पाठकर्पों की संख्या

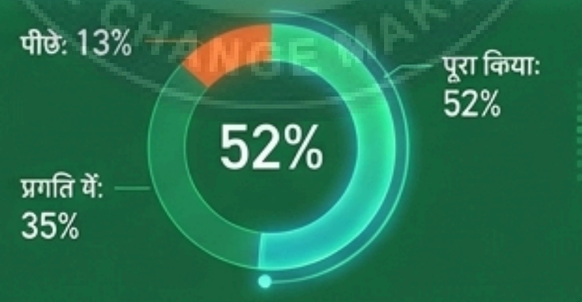
15,450

Top Courses

1. [नाम] - सामात सक्त यंत्र
2. [नाम] - असोरा मैली कमार
3. [नाम] - सांस्यक लोस्ट संतम...

मासिक लक्ष्य के सापेक्ष

लक्ष्य पूरा करने वालों का प्रतिशत



पीछे चल रहे कर्मियों की स्थिति और उन पर की गई कार्रवाई

1. [नाम] - 20 घंटे से कम: नोटिस जारी — स्थिति देखें
2. [नाम] - 10 घंटे से कम: अनुस्मारक — कार्रवाई शुरू करें

लंबित कार्रवाई:	लंबित कार्रवाई	लंबित
15	8	15

सार्वभौमिक प्रयोज्यता: राज्य से पंचायत तक

यह व्यवस्था केवल विभागीय मुख्यालय तक सीमित नहीं है।



विहार

कार्य-संस्कृति में बदलाव

पुरानी व्यवस्था पारंपरिक और अद्यतन रहित		iGOT व्यवस्था डिजिटल, सशक्त और भविष्य-उन्मुख
यदा-कदा, केवल कार्यशालाओं के दौरान।	आवृत्ति	निरंतर (प्रति सप्ताह न्यूनतम 1 घंटा)।
भौतिक उपस्थिति अनिवार्य, सीमित सीटें।	पहुंच	डिजिटल, कहीं भी और कभी भी सुलभ (24/7)।
मूल्यांकन से स्पष्ट रूप से जुड़ा हुआ नहीं।	जवाबदेही	APAR (वार्षिक मूल्यांकन) के साथ अनिवार्य संबद्धता।
सामान्यकृत प्रशिक्षण।	पाठ्यक्रम	AI टूल्स और वार्षिक लर्निंग कैलेंडर द्वारा भूमिका-विशिष्ट (Role-specific) और आधुनिक कौशल पर केंद्रित।

Gemini Notebook

अंतिम दृष्टि: बेहतर जनसेवा का निर्माण

इस पहल का उद्देश्य मात्र 52 घंटे के नियमित प्रशिक्षण के लक्ष्य की औपचारिक पूर्ति नहीं है, बल्कि प्रत्येक सरकारी पदाधिकारी एवं कर्मी में निरंतर सीखने, नई ददक्षताओं के विकास, तकनीकी एवं प्रशासनिक ज्ञान के उन्नयन तथा बेहतर जनसेवा के लिए आवश्यक क्षमता निर्माण की संस्कृति विकसित करना है।

— मुख्य सचिव, बिहार सरकार

आगे के कदम

1 पंजीकरण करें

iGOT कर्मयोगी पोर्टल पर जाएं और अपने आधिकारिक विवरण के साथ लॉगिन/रजिस्टर करें।

2 संपर्क करें

अपने विभाग के नामित नोडल पदाधिकारी से iGOT Learning Calendar की जानकारी प्राप्त करें।

3 शुरुआत करें

इस सप्ताह अपना पहला 1 घंटे का प्रशिक्षण मॉड्यूल चुनें और अपनी 52 घंटे की यात्रा आरंभ करें।



MANISH KUMAR

GOPALGANJ,BIHAR

portal.igotkarmayogi.gov.in

WWW.TEACHERSOFBIHAR.ORG